





दिनांक :30-09-2025

मुख्य कार्यालय : आमेश्वरनाथ धाम , अमांव ,बलिया ,उत्तर प्रदेश -277501,

आपातकालीन सम्पर्क सूत्र -7753955951,

रजि॰ 187/2019

पत्रांक: ANSS/015/300901

सनातन पर्व एवं पर्व

| क्र॰सं॰ | दिनांक | दिन | पर्व एवं व्रत |
|---------|---|---------------------------|--|
| 1 | 1 अक्टूबर 2025 | बुधवार | महा-नवमी ,कन्या पूजन ,सीमोल्लंघन शमी पूजा |
| 2 | 2 अक्टूबर 2025 | बृह <mark>स्पतिवार</mark> | विजया <mark>दश</mark> मी ,नवरात्री व्रत पारण , दुर्गा मूर्ति विसर्जन |
| 3 | 3 अक्टूबर 20 <mark>2</mark> 5 | शुक्रवार | पापांकुशा एकादशी व्रत |
| 4 | 4 अक्टूबर <mark>2025</mark> | शनिवार | शनि प्रदोष व्रत |
| 5 | 6 अक्टूबर <mark>2025</mark> | सोमवार | <mark>शरद पूर्</mark> णिमा, पूर्णिमा व्रत |
| 6 | 7 अक्टूबर <mark>202</mark> 5 | मंग लवार | स्नान-दान की पूर्णिमा, श्री वाल्मीकि जयंती |
| 7 | 10 <mark>अक्टूबर 20</mark> 25 | शुक्रवार | करवा चौथ व्रत |
| 8 | <mark>13 अ</mark> क्टूबर <mark>20</mark> 25 | सोमवार | अहोई अष्टमी पूजा |
| 9 | 14 अक्टू <mark>बर 20</mark> 25 | मंगल <mark>वार</mark> | राधा अष्टमी |
| 10 | 1 <mark>7 अक्टूबर 202</mark> 5 | शुक्रवार | रम्भा एकादशी व्रत |
| 11 | 18 अक्टू <mark>बर 2025</mark> | शनिवार | धनतेरस ,प्रदोष व्रत |
| 12 | 19 अक्टू <mark>बर 202</mark> 5 | रविवार | शिवरात्रि व्रत , धन्वंतरि प्रकयोत्सव, नरक चतुर्दशी |
| 13 | 20 अक्टूबर 2 <mark>025</mark> | सोमवार | <mark>दीपा</mark> वली, लक्ष्मी-पूजा |
| 14 | 22 <mark>अक्टूबर 2025</mark> | बुधवार | गोवर्धन पूजा (काशी से अन्यत्र) |
| 15 | 23 अक्टू <mark>बर 202</mark> 5 | बृहस्पतिवार | गोवर्धन पूजा (काशी में), भैया दूज |
| 16 | 25 अक्टूबर 2025 | शनिवार | डाला छठ (सूर्यषष्ठी) 3 दिन प्रारम्भ ,गणेश चतुर्थी व्रत |
| 17 | 27 अक्टूबर 2025 | सोमवार | डाला छठ (सूर्यषष्ठी) व्रत संध्या अर्घ्य |
| 18 | 28 अक्टूबर 2025 | मंगलवार | डाला छठ (सूर्यषष्ठी) व्रत प्रातः अर्घ्य |
| 19 | 29 अक्टूबर 2025 | बुधवार | गोपाष्टमी, गौ पूजन |
| 19 | 30 अक्टूबर 2025 | बृहस्पतिवार | अक्षय नवमी |

शुभव तिचारी/Shubham Tiwari आचार्य /Acharya ट्रस्ट के प्रभुख्य/Head Of Trust आमेश्वरुगाथ सेवा संघ ट्रस्ट,अमांत,बलिया,यूoपीo (Ameshwarnath Sewa Sangh Trust,Amaon,Ballia,(U.P.) रजिठ १८७/९ ९/Reg.No.187/19

||विद्याभ्यास स्तपो ज्ञानमिन्द्रियाणां च संयमः || ||अर्हिसा गुरुसेवा च निःश्रेयसकरं परम् ||